P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-2* ISSUE-6* September- 2017
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

बस्ती नगर की स्वास्थ्य सेवाओं का दूर संवेदन तकनीक एवं भौगोलिक सूचना तंत्र (GIS) पर आधारित भौगोलिक विश्लेषण

अनुपमा त्रिपाठी
पूर्व शोध छात्रा,
भूगोल विभाग,
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर

सारांश

स्वास्थ्य व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन की समग्र गुणवत्ता को स्तरोन्नत करने का भी एक कारगर साधन है। क्षेत्रीय रूप में इसमें अन्तर मिलता है क्योंकि भौगोलिक दशायें एवं संसाधनों पर अधिकार और उनके उपयोग प्रतिरूप में क्षेत्रीय भिन्नता के कारण ही शैक्षणिक विकास में भी अन्तर पाया जाता है। यह तथ्य देखा गया है कि जिन क्षेत्रों में आर्थिक दृष्टिकोण से उच्च विकास स्तर पाया जाता है स्वास्थ्य सेवाएँ भी उन्हीं क्षेत्रों के संदर्भ में अधिक है। परिणामस्वरूप आर्थिक दृष्टिकोण से उन्नत व्यक्ति ही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा पाते हैं और जनसंख्या का एक वृहद भाग इससे वंचित रह जाता है। बस्ती नगर में स्वास्थ्य सुविधाओं के वितरण और विकास में यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। यही कारण है कि अध्ययन क्षेत्र में स्वास्थ्य में भी असमानता दिखाई देती है। वास्तव में स्वास्थ्य सेवा या सुविधा मानव विकास का एक आधारभूत अवस्थापनात्मक तत्व है जो उसे प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है। अध्ययन में वार्डानुसार प्रति हजार व्यक्तियों पर स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या का आँकलन तथा विश्लेषण प्राथमिक सर्वेक्षण से प्राप्त आँकडों के आधार पर किया गया है।

मुख्य शब्द : क्विकबर्ड इमेज, दूर संवेदन तकनीक, भौगोलिक सूचना तंत्र, नगरीय विकास, स्वास्थ्य सेवाएँ, संकेन्द्रण।

प्रस्तावना

स्वास्थ्य सेवाओं का मौलिक उद्देश्य स्वास्थ्य का समुचित विकास एवं मानव शक्ति को सुदृढ़ करना है। रोग का न होना ही स्वास्थ्य का अच्छा होना नहीं है, बल्कि व्यक्ति का शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहना आवश्यक है। में स्वास्थ्य सम्बन्धी आंदोलन गति पकड़ता गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की पंचवर्षीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का ज्ञान जन साधारण तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार ने भी बहुत उपाय किए। स्वास्थ्य शिक्षा देने के लिए स्थान–स्थान पर पोस्टर, फिल्में, चार्ट, चित्र, रेडियो व दूरदर्शन की सहायता से ली जाती है। आधुनिक युग में द्रुत गति से बढ़ती हुई जनसंख्या को स्थिरता प्रदान करने में इसका सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। स्वास्थ्य शिक्षा के निम्न उद्देश्य हैं–

1. व्यक्ति और राष्ट्र का स्वास्थ्य उत्तम हो।
2. जनसाधारण को वैज्ञानिक ज्ञान के लाभों से परिचित कराकर स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं तथा कार्यक्रमों को अवगत कराना।
3. जनसाधारण को देशी–विदेशी संगठनों, आंदोलनों और उपलब्ध स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं तथा कार्यक्रमों से अवगत कराना।

अध्ययन क्षेत्र

बस्ती नगर उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में कुआनों नदी एवं गोरखपुर–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–28 के मिलन बिंदु पर पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर – लखनऊ (वाया गोण्डा) ब्रॉड गेज रेल पथ पर स्थित है।यह नगर 26^0 48' उत्तरी अक्षांश तथा 82^0 46' पूर्वी देशान्तर पर 19.43 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर विस्तारित है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार बस्ती नगर की कुल जनसंख्या 1,14,651 तथा घनत्व 59 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

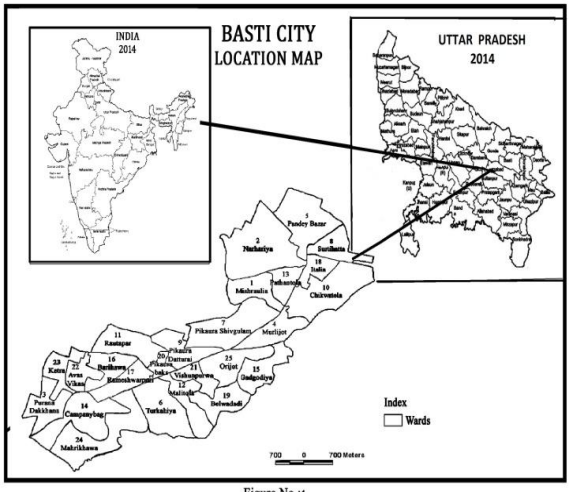

Figure No.:1

पूर्व में नवसृजित जनपद संतकबीर नगर, पश्चिम में गोण्डा, उत्तर में सिद्धार्थ नगर, दक्षिण में फैजाबाद एवं नवसृजित जनपद अम्बेडकर नगर स्थित है।नगर से प्रदेश की राजधानी लखनऊ, फैजाबाद, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीर नगर एवं गोरखपुर की दूरी क्रमशः 223, 80, 70, 33 एवं 70 किलोमीटर है (बस्ती महायोजना– प्रारूप, 2021) । प्रशासनिक दृष्टिकोण से बस्ती नगर 25 वार्डों में विभक्त है (चित्र संख्या– 1)।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं –

1. बस्ती नगर की स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण और विकास का अध्ययन करना।
2. स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याओं का विश्लेषण करना व सुधार हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

आँकड़ा स्रोत एवं विधि तंत्र

प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ों के संकलन तथा विश्लेषण पर आधारित है। द्वितीयक आँकड़ों का संकलन विभिन्न प्रकाशित तथा पूर्व संग्रहीत स्रोतों से किया गया है, जिनमें जनगणना विभाग, जनपदीय सामाजिक – आर्थिक समीक्षा,अर्थ एवं संख्या अनुभाग–बस्ती,नगरपालिका –बस्ती, विकास–भवन आदि कार्यालयों तथा उनके प्रकाशनों आदि से आँकड़ों का संकलन किया गया है। यथास्थान इण्टरनेट द्वारा प्राप्त आँकड़ों व सूचनाओं का भी प्रयोग किया गया है।

नगरीय जनसंख्या एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप के अध्ययन व मानचित्रीकरण दूर संवेदन तकनीक पर आधारित गूगल अर्थ से प्राप्त क्विकबर्ड इमेज (वर्ष – 2013) को क्षेत्र में ले जाकर इमेज व स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का मिलान कर भौगोलिक सूचना तंत्र के Arc View GIS 3.2a साफ्टवेअर की सहायता से किया गया तथा प्रति हजार जनसंख्या पर स्वास्थ्य सेवाओं की संख्या का अध्ययन प्राथमिक सर्वेक्षण से प्राप्त आँकडों के आधार पर किया गया है। अध्ययन के विभिन्न चरणों में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आँकड़ों का क्रमबद्ध सारणीयन, वर्गीकरण तथा मात्रात्मक विधियों के प्रयोग द्वारा विभिन्न तथ्यों का विश्लेषण किया गया है।

साहित्यावलोकन

प्रस्तुत अध्याय के संदर्भ में अनेक कार्यालयीय स्रोतों से प्राप्त साहित्यों, पुस्तकों व प्रकाशित तथा अप्रकाशित शोधग्रन्थों एवं शोधपत्रों का अध्ययन किया गया है। बस्ती के बारे में सामान्य जानकारी के लिए जहाँ बस्ती महायोजना, 2021 व बस्ती–2007 का अध्ययन किया गया है वहीं बस्ती नगर में स्वास्थ्य से सम्बन्धित अध्ययन के क्रम में अनेंक पुस्तकों, शोधग्रन्थों व शोध प्रपत्रों आदि का अध्ययन किया गया है। इनमें चाँदना एवं सिद्धू (1980) की Population Geography , खरे व सिन्हा (1985) के सामाजिक जनांकिकी एवं भारत में जन स्वास्थ्य, तथा शोरी एवं सुखिया (1987) की सुव्यस्थित गृह एवं स्वास्थ्य रक्षा पुस्तकें महत्वपूर्ण हैं। इनके अतिरिक्त स्वास्थ्य मानक, 2011 को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा सुविधाओं की संख्या का अध्ययन किया गया है। इसी क्रम में राम मिलन मिश्रा (2000) द्वारा पूर्वांचल में जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य सुविधाओं का गहन विश्लेषण करते हुए बताया गया है कि किसी क्षेत्र के नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता पर स्वास्थ्य कारकों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

हमारे सामाजिक–आर्थिक क्रियाकलापों का समूचा जोर समाज और उनमें रहने वाले मनुष्य की शारीरिक और मानसिक बेहतरी की ओर उन्मुख होता है। वर्ष 1993 में लागू की गयी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में एक एकीकृत दृष्टि अपनाई गयी है, जिसमें प्रतिरोधी और आरोग्य प्रदान करने वाले उपायों के साथ–साथ सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता अपनाने के उपाय भी शामिल है। छठी पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को शामिल किया जाना देश के स्वास्थ्य परिदृश्य में एक उल्लेखनीय घटना थी। इसी दौरान 'सबके लिए स्वास्थ्य' का लक्ष्य रखा गया था, जिसे अभी तक की योजनाओं में भी जारी रखा गया है। हमारा देश कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के लिए प्रतिबद्ध है, इसीलिए अपने नागरिकों को पूर्णतया स्वस्थ बनाये रखने के लिए तरह–तरह की स्वास्थ्य योजनाओं एवं रोग उन्मूलन कार्यक्रमों को लागू किया जाता रहा है।

नगर में स्वास्थ्य सुविधाओं को तीन भागों में बाँट कर अध्ययन किया जा सकता है– पहला, चिकित्सा सम्बन्धित कार्य, दूसरा, बीमारियों के रोकथाम के उपाय तथा तीसरा, साधारण स्वास्थ्य के विकास सम्बन्धित कार्य। चिकित्सालयों के प्रकार के अनुसार इनका वितरण नगर के विभिन्न भागों में पाया जाता है, जबकि बड़े अस्पताल या चिकित्सालय प्रायः नगर के मध्यवर्ती अथवा नगर के बाह्य क्षेत्र में पाये जाते हैं, स्वास्थ्य सुविधाएँ नगरीय विकास एवं सेवाओं का महत्वपूर्ण आयाम है, तो वहीं पर गुणात्मक जीवन का आधार भी हैं। स्वास्थ्य सुविधाएँ गुणात्मक जीवन के अवनयन तथा उन्नयन दोनों की सूचक हैं। एलोपैथिक, आयुर्वेदिक तथा होमियोपैथिक

चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जिला अस्पताल, व्यक्तिगत प्रेक्टिसनर डॉक्टर की सेवाएँ नर्सिंग होम, डायग्नोसिस, मेडिकल दुकान तथा अन्य भी उपलब्ध है।

बस्ती नगर में स्वास्थ्य सुविधायें

बस्ती नगर में स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टिकोण से एक जिला राजकीय चिकित्सालय, 1 राजकीय महिला एवं 1 मातृ शिशु कल्याण एवं 1 टी0बी0 क्लीनिक केन्द्र, 4 आयुर्वेदिक औषधालय, 4 होमियोपैथिक चिकित्सालय, 3 परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण केन्द्र/उपकेन्द्र की सुविधा उपलब्ध है। एक जिला पशु चिकित्सालय भी पिकौरा शिवगुलाम वार्ड में स्थित है। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत प्रेक्टिसनर डॉक्टर की सेवाएँ, नर्सिंग होम, डायग्नोस्टिक, मेडिकल दुकान तथा अन्य सुविधाएँ भी कार्यरत हैं, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध करायी जाती हैं। इन चिकित्सालयों द्वारा नगरीय जनसंख्या की आवश्यकता की पूर्ति के साथ–साथ इस जनपद में स्थित आस–पास के ग्रामों की जनसंख्या की स्वास्थ्य सुविधा सम्बन्धी समस्त आवश्यकताओं की भी पूर्ति की जाती है।

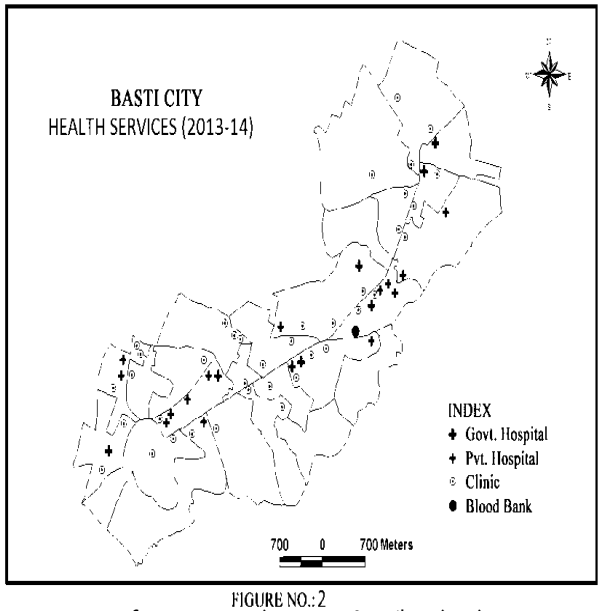

FIGURE NO.: 2

वर्तमान समय में सरकारी आँकड़ों के अनुसार नगर में 166 व्यक्ति पर एक शैय्या की सुविधा उपलब्ध है। बस्ती नगर जिला मुख्यालय है, परन्तु जिला अस्पताल तथा टी0बी0 अस्पताल नगरीय सीमा में न होकर गोरखपुर बस्ती मार्ग पर नगर के गडगोडिया वार्ड के समीप स्थित है। हॉलाकि नगर के लोग इस जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधा का उपयोग करते हैं। जिला अस्पताल 300 बिस्तर की सुविधा वाला अस्पताल है। जिला क्षय रोग चिकित्सालय (टी0 बी0 अस्पताल) जिला अस्पताल से भी 1/2 किमी0 पहले खलीलाबाद मार्ग पर पड़ता है। यह अस्पताल भी नगर सीमा के बाहर नगर के गडगोडिया वार्ड के निकट ही स्थित है। अतः नगरवासी यहाँ भी चिकित्सा के लिए आते हैं। ओपेक अस्पताल 500 बिस्तरों का एक बेहतर अस्पताल है, जहाँ नगर के लोग इलाज के लिए जाते हैं, परन्तु यह अस्पताल भी नगर पालिका परिषद की सीमा से बाहर ग्रामीण क्षेत्र में है। रेलवे अस्पताल तथा पुलिस लाइन अस्पताल भी नगर पालिका परिषद की सीमा के बाहर है। जिला होमियोपैथिक अस्पताल भी जिला अस्पताल कैम्पस के अन्दर ही स्थित है। राजकीय महिला एवं मातृ शिशु कल्याण केन्द्र नगर के ओरीजोत वार्ड में बस स्टेशन के निकट तथा नगर पालिका परिषद के कार्यालय के निकट ही है। यहाँ महिलाओं की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के बारे में बताने तथा उन्हें स्वस्थ्य रहने के लिए जागरूक करने के लिए एक काउन्सलिंग कमेटी एवं अनेक सुविधाएँ हैं। जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय बस्ती नगर के रामेश्वरपुरी वार्ड में किरन सर्जिकल अस्पताल के पीछे ही मालवीय रोड पर स्थित है। नगर के ज्यादातर निवासी यहाँ आयुर्वेदिक दवाएँ लेने आते हैं। इस आयुर्वेदिक चिकित्सालय के दो उपकेन्द्र भी हैं– पहला पुरानी बस्ती में सुर्त्तीहट्टा वार्ड तथा दूसरा कटरा वार्ड के पास स्थित है। जिला होमियोपैथिक चिकित्सालय भी नगर के लोगों को चिकित्सीय सुविधा, दवाएँ आदि उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त नगर में अनेक प्राइवेट अस्पताल तथा क्लिनिक आदि हैं जहाँ भारी संख्या में मरीज इलाज कराते हैं।

इनमें मुख्य वार्डों को देखा जाये तो इनमें सर्वाधिक 6 स्वास्थ्य सुविधाएँ क्रमशः मुरलीजोत, आवास विकास, कटरा एवं ओरीजोत में उपलब्ध है, जहाँ नगर की कुल स्वास्थ्य सुविधाओं की 10% उपलब्धता है। नगर के तीन वार्ड क्रमशः मिश्रौलिया, बेलवाडाड़ी एवं गडगोडिया ऐसे वार्ड है, जहाँ एक भी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं है। नगर के नरहरिया, तुर्कहिया, सुर्त्तीहट्टा, बैरिहवाँ, पिकौरा बक्स, विशुनपुरवा व आवास–विकास वार्ड में मात्र 1 अर्थात् 1.67% स्वास्थ्य सुविधाएँ मौजूद है। क्षेत्र के कटरा, पिकौरा दत्तूराय, माली टोला, पठान टोला, कम्पनी बाग एवं महरीखावां में 2–2 अर्थात् 3.34% स्वास्थ्य सुविधाएँ, पाण्डेय बाजार, चिकवाटोला, रौतापार तथा इटैलिया में 3–3 अर्थात् 5% स्वास्थ्य सुवधाएँ एवं पिकौरा शिवगुलाम में 5 अर्थात् 8.33% स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं (मानचित्र संख्या –2)।

प्रति हजार व्यक्तियों पर स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या

बस्ती नगर में सभी प्रकार के स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो सकी है। यहाँ एलोपैथ, होमियोपैथ एवं आयुर्वेद सभी प्रकार के स्वास्थ्य केन्द्र उपलब्ध हैं, परन्तु सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों की तुलना में प्राइवेट स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या बहुत अधिक है। स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या के संदर्भ में उपलब्ध आँकड़ें सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों तथा क्लिनिक आदि को सम्मिलित करते हुए एकत्रित किये गये हैं। अध्ययन क्षेत्र में औसत रूप से प्रति हजार व्यक्तियों पर स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या 0.57 है, जो नगर के परिप्रेक्ष्य में काफी कम है।

तालिका सख्या– 1
बस्ती नगर स्वास्थ्य सेवाएँ (वर्ष 2013–2014)

मानक (प्रति हजार व्यक्तियों पर स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या)	वार्डों का नाम	वार्डों की संख्या	वार्डों का प्रतिशत
उच्च स्तर (>1)	कटरा, पिकौरा शिवगुलाम, रामेश्वरपुरी, ओरीजोत, मुरलीजोत	5	20
मध्यम स्तर (0.6-1)	रौतापार, पाण्डेय बाजार , मालीटोला, कम्पनीबाग, इटैलिया	5	20
निम्न स्तर ¼0.1 -0.5)	चिकवाटोला, आवास – विकास, नरहरिया, पुरानाडाकखाना, तुरकहिया, सुर्त्तीहट्टा, पिकौरा दत्तूराय, पठानटोला, बैरिहवा, पिकौराबक्स, विशुनपुरवा, महरीखॉवा	12	48
अति निम्न स्तर (0)	मिश्रौलिया, गडगोडिया, बेलवाडाड़ी	3	12
योग		25	100

स्रोत– व्यक्तिगत सर्वेक्षण (2013–2014)।

तालिका संख्या–1 के अनुसार प्रति हजार व्यक्तियों पर स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या के उच्च स्तर वर्ग के अन्तर्गत कुल 5 वार्ड (कुल वार्डों का 20 %) सम्मिलित हैं, जिसमें प्रति हजार जनसख्या पर सर्वाधिक स्वास्थ्य सुविधायें कटरा में 2 एवं न्यूनतम मुरलीजोत वार्ड में 1.05, पिकौरा शिवगुलाम वार्ड में 1.44 तथा रामेश्वरपुरी और ओरीजोत वार्ड में 1.47 स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या पायी गयी हैं। इस प्रकार उच्च वर्ग में प्रति हजार स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या औसत रूप में 1.5 है, जो नगर की औसत स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता से बहुत अधिक है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या उपलब्धता के मध्यम स्तर वर्ग के अन्तर्गत कुल 6 वार्ड (कुल वार्डों का 24%) सम्मिलित हैं, जिसमें प्रति हजार जनसख्या पर सर्वाधिक स्वास्थ्य सुविधायें रौतापार वार्ड में 0.9 एवं न्यूनतम पाण्डेय बाजार वार्ड में 0.6 उपलब्ध हैं। इस वर्ग के शेष वार्ड मालीटोला, कम्पनीबाग तथा इटैलिया में स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या इनके मध्य है। इस वर्ग में प्रति हजार व्यक्तियों पर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता प्रति हजार जनसंख्या पर औसत 0.73 है।

निम्न स्तर वर्ग के अन्तर्गत कुल 12 वार्ड (कुल वार्डों का 48%) हैं, जिसमें प्रति हजार जनसख्या पर सर्वाधिक स्वास्थ्य सुविधाएँ (0.44) चिकवाटोला वार्ड में तथा न्यूनतम स्वास्थ्य सुविधाएँ (0.18) आवास–विकास वार्ड में पायी जाती हैं। शेष नरहरिया, पुराना डाकखाना, तुरकहिया, सुर्त्तीहट्टा, पिकौरा दत्तूराय, पठानटोला, बैरिहवा, पिकौरा बक्स, विशुनपुरवा तथा महरीखॉवा वार्ड में स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या इनके मध्य हैं। इस वर्ग में प्रति हजार जनसंख्या पर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता का औसत 0.3 है।

अति निम्न स्तर वर्ग के अन्तर्गत 3 वार्ड (कुल वार्डों का 12%) हैं, जिनमें एक भी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। इनमें मिश्रौलिया, गडगोडिया, बेलवाडाड़ी वार्ड शामिल हैं।

निष्कर्ष

अध्ययनोपरान्त यह पाया गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता आवश्यकता के अनुसार इस नगर में कम है, साथ ही जो सेवा उपलब्ध भी हैं उनकी गुणवत्ता अच्छी नहीं है। यही कारण है कि नगर के लोग साधारण बीमारियों का इलाज तो स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्रों पर कराते हैं। परन्तु गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए निकटवर्ती महानगर गोरखपुर या लखनऊ चले जाते हैं। यहाँ अस्पतालों में स्वच्छता का ध्यान न देने के कारण मरीजों व उनके तीमारदारों को काफी असुविधा होती है। साथ ही डॉक्टरों की लिखी सभी दवायें अस्पताल में न मिलने के कारण बाहर से मँहगे दामों पर खरीदनी पड़ती है, जिससे गरीब मरीजों को काफी दिक्कत होती है। नगर की स्वास्थ्य सेवायें गुणवत्तापूर्ण न होने, सरकारी योजनाओं के समुचित प्रचार–प्रसार न होने तथा डॉक्टरों व अन्य सहयोगी कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या में कमी होने के कारण बस्ती नगर क्षेत्र स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से ग्रसित हैं। जिसके निवारण के लिए शासन एवं प्रशासन स्तर पर समुचित व्यवस्था व सुधार के लिये पहल करनी चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *बस्ती महायोजना, प्रारूप (2021): गोरखपुर सम्भागीय नियोजन खण्ड नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश, गोरखपुर ।*
2. *बस्ती – 2007 जिला पंचायत उद्योग प्रिंटिंग प्रेस, न्याय मार्ग, बस्ती।*
3. *नगर पालिका रिपोर्ट (2013-2014).*
4. *जिला जनगणना हस्त पुस्तिका (1981): भाग XII-ब, प्राथमिक जनगणना सार, पृष्ठ संख्या– XVIII.*
5. *Urban Developmet, Plans Formulation & Implimentation-Guidelines, Ministry of Urban Affairs & Employment, Government of India,New Delhi,August-1996,Vol-1*
6. *खरे, पी.सी. एवं सिन्हा, वी.सी. (1985): सामाजिक जनांकिकी एवं भारत में जन स्वास्थ्य, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली। पृ0–253.*
7. *Triwartha, G.T. (1953): A care for population Geography, Annals of the Association of American Geopgraphers, Vol. 43.*

8. *मिश्रा, डॉ0 राम मिलन (2000): पूर्वान्चल (उ0प्र0) में जीवन की गुणवत्ताः गोरखपुर महानगर का प्रतीक अध्ययन, शोध–प्रबन्ध (अप्रकाशित), दी0द0उ0, गो0वि0वि0, गोरखपुर।*
9. *नगर पालिका रिपोर्ट , 2011*
10. *शोरी,जी.पी. एवं सुखिया एस.पी. (1987): सुव्यवस्थित गृह एवं स्वास्थ्य रक्षा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, पृ0– 115–166*
11. *स्वास्थ्य मानक – भारत 2011*
12. *Chaubey, Kailash (2000): Health Care, Delivery System in M.P.: A Study in Geography of Health Care.*
13. *खरे, पी.सी. एवं सिन्हा, वी.सी. (1985): सामाजिक जनांकिकी एवं भारत में जन स्वास्थ्य, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली।*
14. *Triwartha, G.T. (1953): A care for population Geography, Annals of the Association of American Geopgraphers, Vol. 43.*

Web Sources

15. *http://www. censusindia.net*
16. *http://www.basti.nic.in*
17. *http://www.google.com*